राज
कॉमिक्स विशेषांक
निगेटिव्स
सर्वनायक वर्ष 2012-13
मल्टीस्टारर विशेषांक
नागराज
सुपर कमांडो ध्रुव

चिराग घिसने के जमाने गए, ध्रुव! इस अलादीन का जिन्न इस स्मार्टफोन में रहता है। एक टच पर हाजिर!
ये मेरे हुक्म पर देता सब कुछ है, पर लेता सिर्फ... जान है!
आराम से दे दो तो ठीक है, वर्ना मौत से पहले पोस्टमोर्टम कराना अच्छा लगता है क्या!
ध्रुव खुद का एक जिन्न ले आया है, अलादीन! तुम्हारे जिन्न के कहर से दुनिया कांप रही है...
...पर अब ध्रुव के कोप से थर्राएंगे जिन्न और...
अलादीन
राज कॉमिक्स में सुपर कमांडो ध्रुव का रोमांचक विशेषांक

संजय गुप्ता पेश करते हैं।
निगेटिव्स
राज कॉमिक्स है मेरा जनून।
कथा: नितिन मिश्रा
चित्रांकन: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विनोद कुमार
कैलीग्राफी: नीरू, मंदार
इफेक्ट्स: अभिषेक सिंह
संपादक: मनीष गुप्ता
संस्थापक: मनोज गुप्ता, राज कुमार गुप्ता
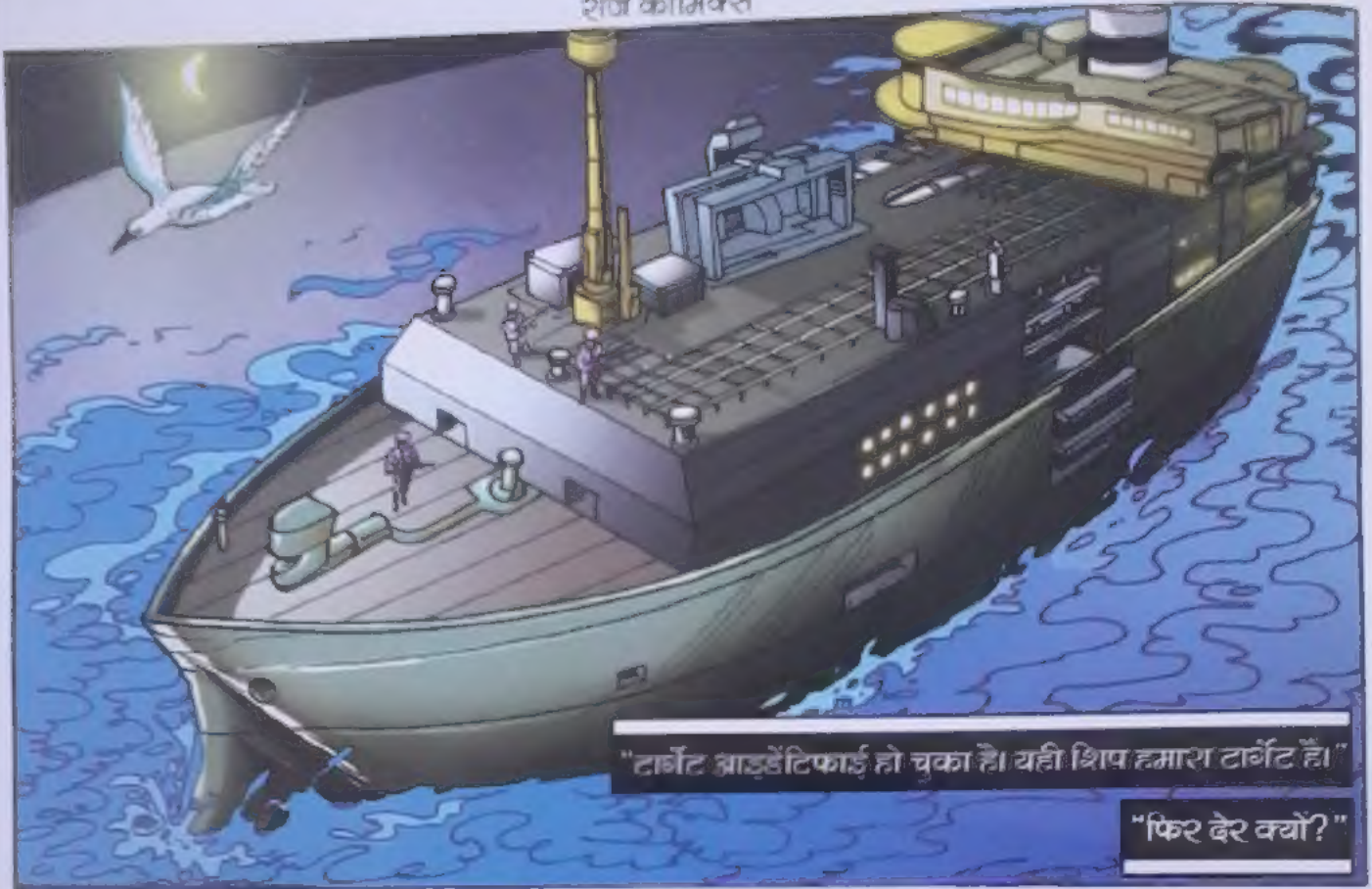
"टार्गेट आइडेंटिफाई हो चुका है। यही शिप हमारा टार्गेट है।"

"फिर देर क्यों?"

यह क्या?

"मिशन सफल हुआ!"
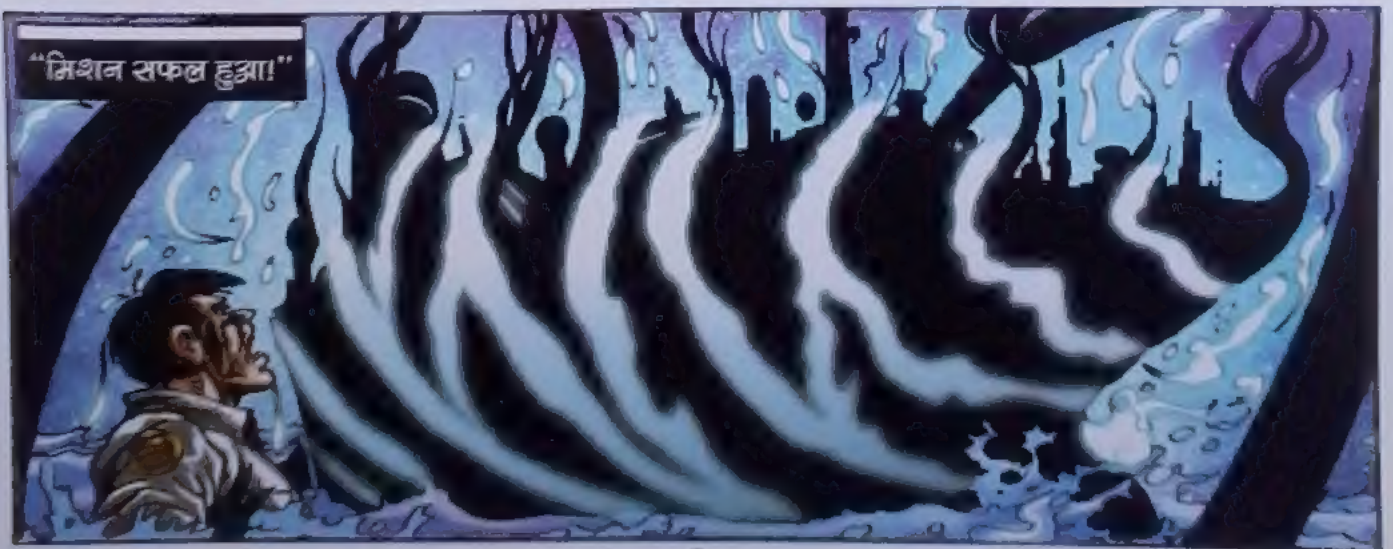
"शिप अब हमारे किले के अंदर हमारे कब्जे में है।"
"अब वह अमूल्य यंत्र हमारे पास है जिसे 'कुछ खोजी' हमसे चुरा कर ले जाना चाहते थे।"
"उन पांचों यंत्रों को हमारे पास लाया जाए! अब हमारा वह सपना पूरा होगा जिसके लिए हम सदियों से इंतजार कर रहे थे।"
"यंत्र इस जलयान में कहीं नहीं है।"
"असंभव! ऐसा नहीं हो सकता! ध्यान से देखो!"
"शिप का एक-एक कोना छाना जा चुका है। हमारा टार्गेट शिप पर नहीं है।"
"टार्गेट किसके जिम्मे था?"

"कौशिनी को! और वह अभी तक वापस नहीं आई है।"
"कौशिनी गद्दार नहीं हो सकती! वह विश्वासपात्र है।"
"गद्दारी वही कर सकता है।"
"जो विश्वासपात्र हो।"
काली... काली छाया!! मुझे भी निगल लेगी!

मुसीबत में एक ही जगह याद आती है। पुलिस स्टेशन!
सरकार ने मुझे तुम्हारा वकील नियुक्त किया है। मैं भारत हूं।
तुम्हारा नाम क्या है?
...यही तो हम इससे कल से पूछ रहे हैं।
लेकिन ना तो यह अपना नाम बता रहा है और ना ही यह कि इसने...
...तीन राहगीरों पर हमला क्यों किया?
मेरे क्लाइंट के साथ आप मारपीट नहीं कर सकते इंस्पेक्टर!
पूछताछ मुझे करने दीजिए!
हां, तो तुमने उन तीनों लोगों पर हमला क्यों किया? और पकड़े जाने के वक्त तुम गीले क्यों थे?
बारिश तो हुई नहीं थी!
मैं... मैं छाया को मार रहा था। वे बीच में आ गए! मुझे रोक रहे थे।
पर मैं तो उनको बचा रहा था। वर्ना...वर्ना छाया उनको भी मार डालती!
यह छाया कौन है? तुम्हारी पत्नी? या गर्लफ्रेंड...
छाया! परछाई! वह शिप से ही मेरे पीछे लगी है! मेरे दोस्त को खा लिया उसने! मैं डरकर पानी में कूद गया।
फिर पूरे शिप को खा लिया उसने।
शिप! कौन सा शिप?
क्लोडिया! वह कांडा पोर्ट पर आ रहा था! मैं उस पर गार्ड हूं!
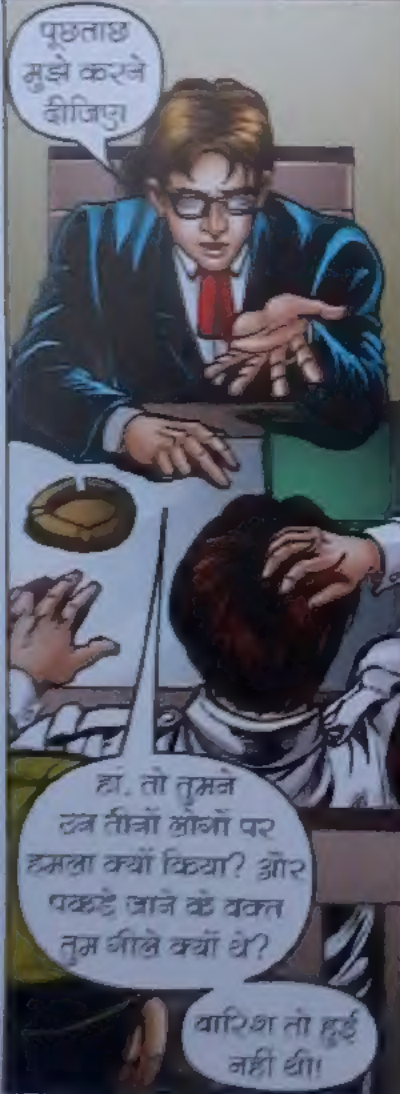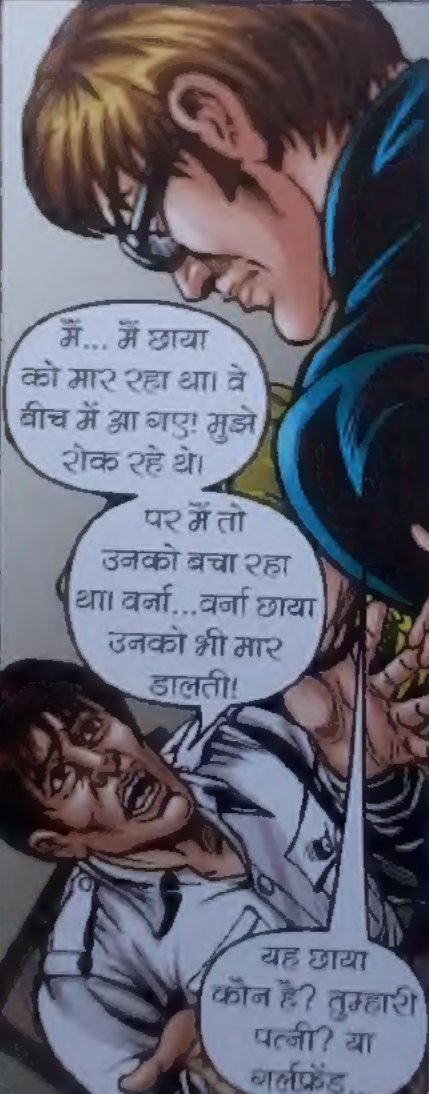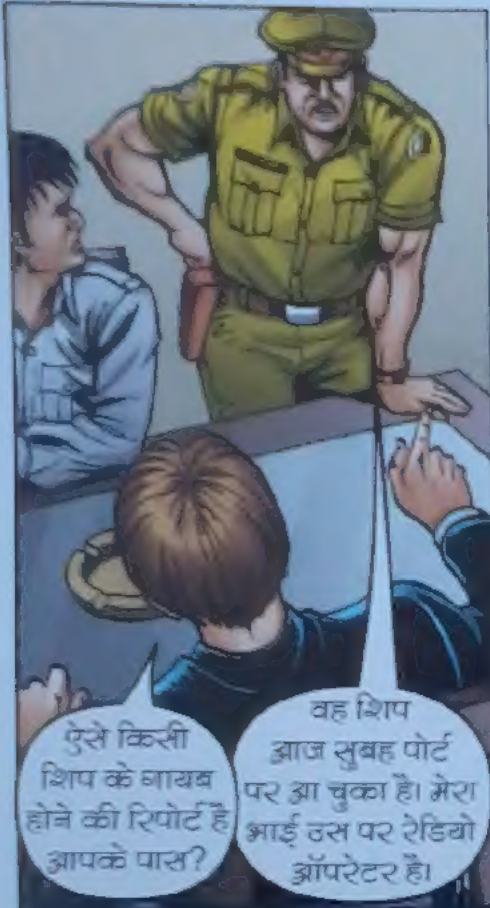
ऐसे किसी शिप के गायब होने की रिपोर्ट है आपके पास?

वह शिप आज सुबह पोर्ट पर आ चुका है। मेरा भाई उस पर रेडियो ऑपरेटर है।
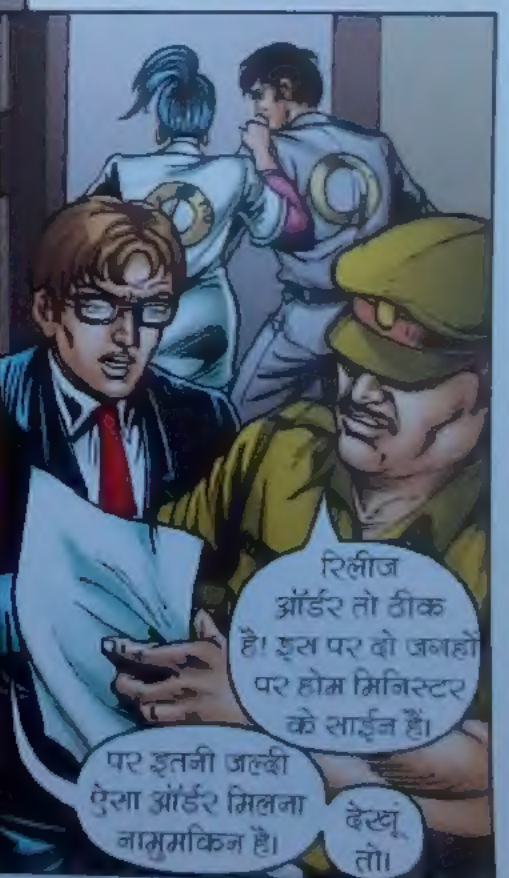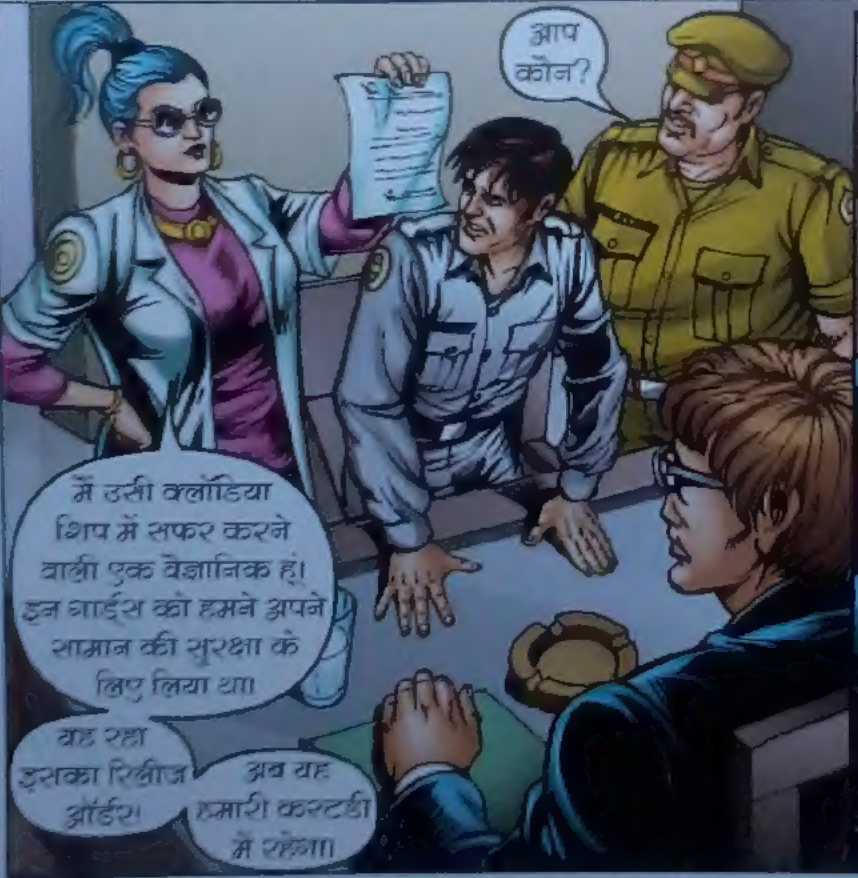
आप कौन?

मैं उसी क्लॉडिया शिप में सफर करने वाली एक वैज्ञानिक हूं। इन गार्ड्स को हमने अपने सामान की सुरक्षा के लिए लिया था।

यह रहा इसका रिलीज ऑर्डर।

अब यह हमारी कस्टडी में रहेगा।

रिलीज ऑर्डर तो ठीक है! इस पर दो जगहों पर होम मिनिस्टर के साईन हैं।

पर इतनी जल्दी ऐसा ऑर्डर मिलना नामुमकिन है।

देखूं तो।

हुंअ! दो दस्तखत। बिल्कुल एक जैसे!
एक ही आदमी के दस्तखत एक जैसे ही तो होंगे।

यस इंस्पेक्टर! सही भी और गलत भी!
दस्तखत एक जैसे तो हो सकते हैं। पर हूबहू नहीं।

यह आर्डर जाली है। और अगर ऑर्डर जाली है तो वह लड़की भी जाली है।

"खतरे का अलार्म बजा दो इंस्पेक्टर!"
यह गड़बड़ कैसे हो गई?

खैर! अगर सच्चाई पता चल ही गई है...

...तो इस रूप को रखने का कोई अर्थ नहीं है।
य...यह शिप पर भी थी। जादूगरनी है यह।
क...कौन हो तुम?
लोरी! और सिर्फ मैं जानती हूं कि तुम सच बोल रहे हो!
मैं जानता था कि तुम वह नहीं हो जो दिख रही हो!
अब यहीं पर बताओगी कि तुम कौन हो या...

वर्ना हमें गोली चलानी पड़ेगी।
चलो।

कहानी जो तुम समझ
पाओगे और जो मैं समझा
बाय!
सॉरी!

रिलीज ऑर्डर
तो मैंने अभी उस

पर क्या करूं
मेरे पास समझाने का
समय नहीं है।

क्योंकि ना
मैं तुम्हें जाने दे
सकता हूं

इसलिए मैं भी कानून की ही रक्षा कर रही हूं

ओफ्फ!
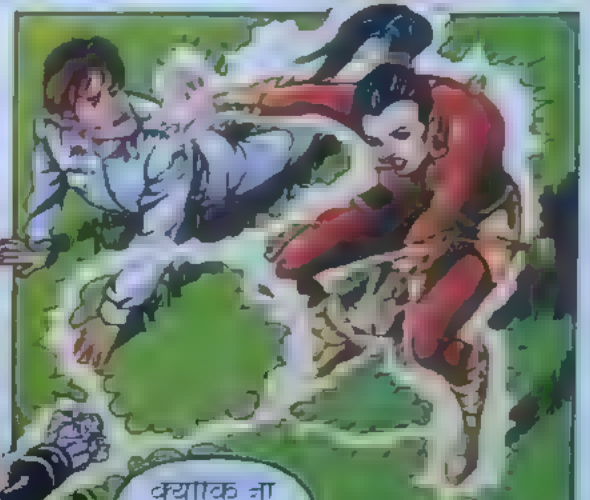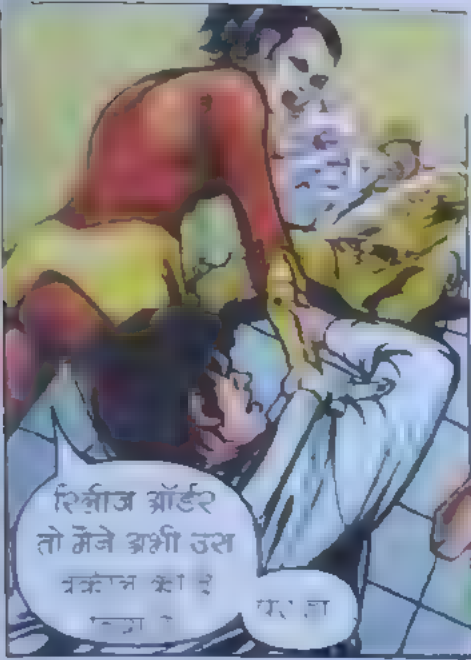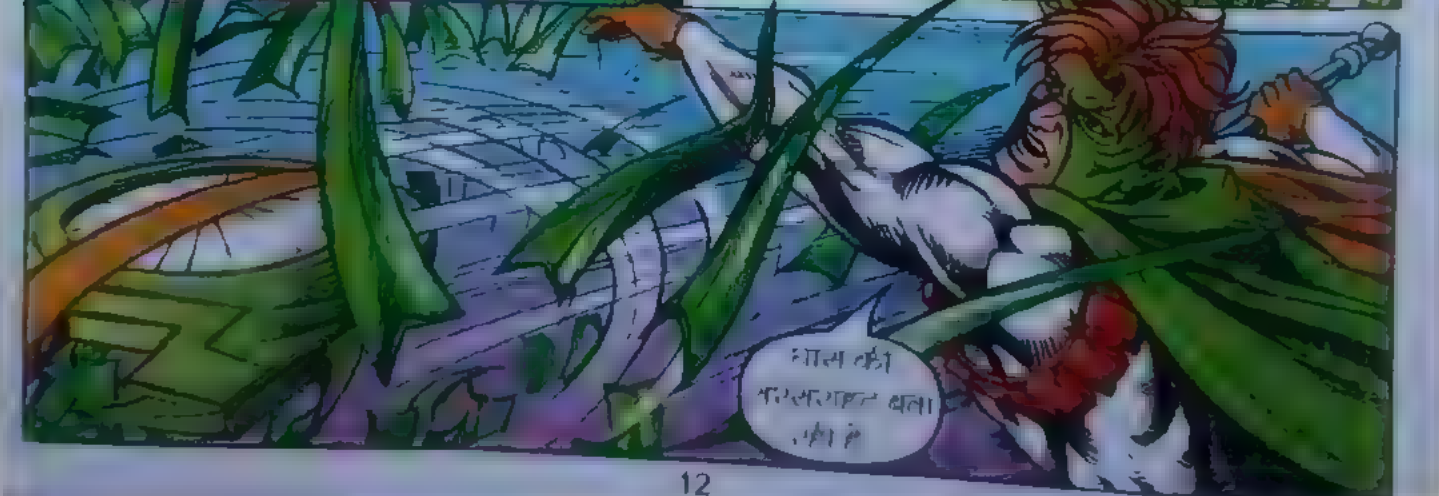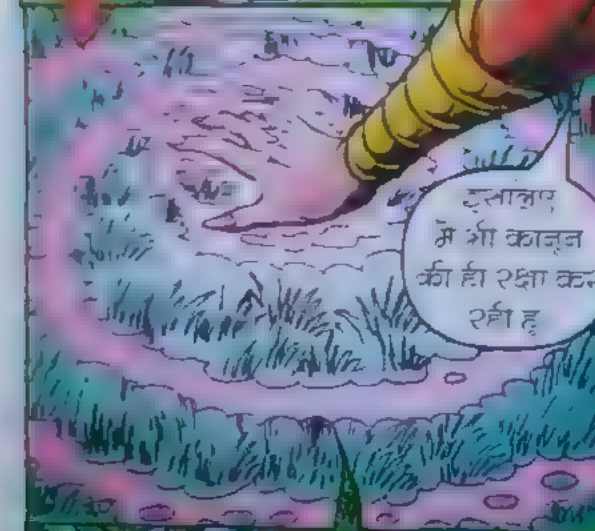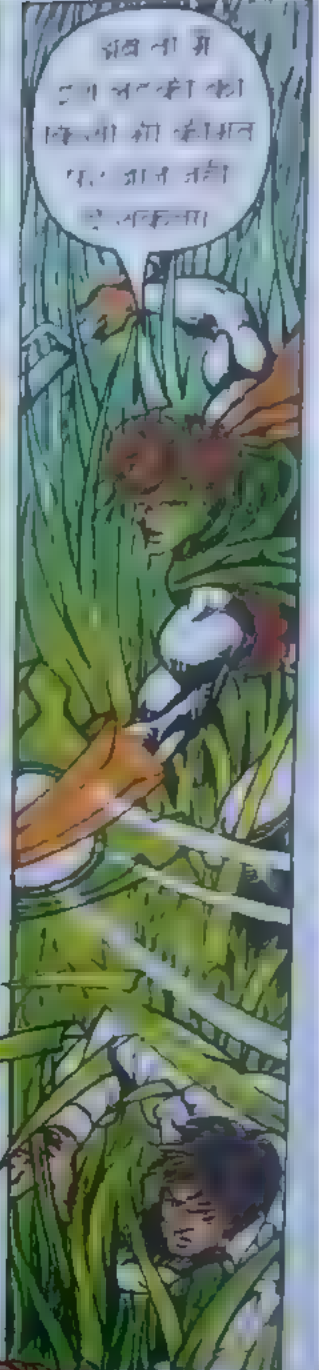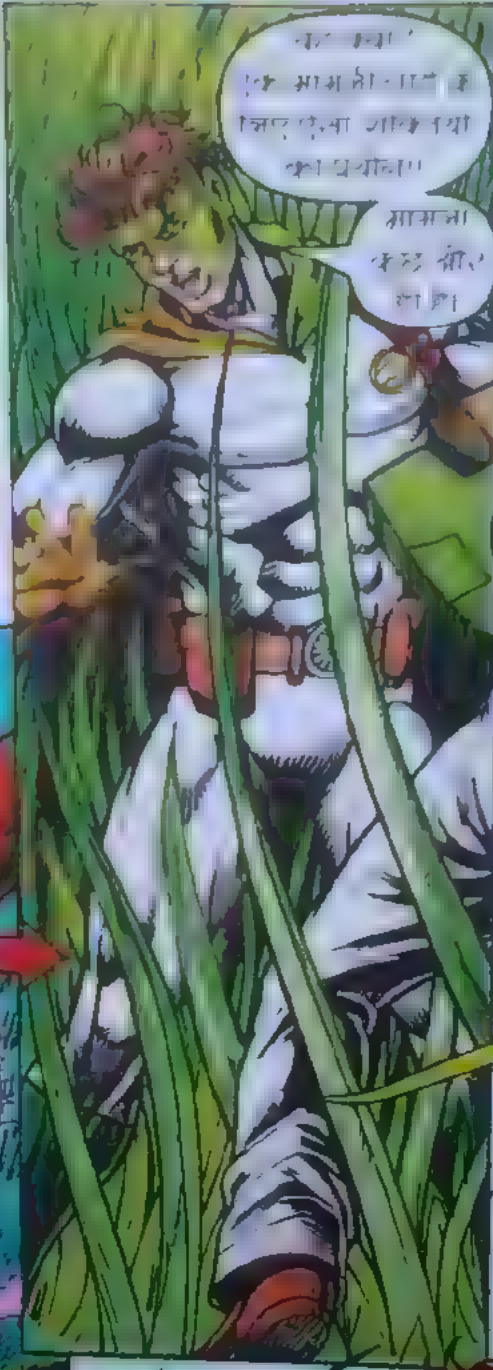
बच लिया तेरे दास ने तुझे। पर अपनी किस्मत को ज्यादा मत आजमा तिरंगा।
कहीं इन तीनों रंगों के ऊपर तेरे लहू का लाल रंग ना फिर जाए।
तूने अभी तक न्याय स्तम्भ के अंदर फिट एक ही गैजेट का मजा चखा है।
इसके अंदर ऐसे और भी गैजेट फिट हैं। पर इसकी मुख्य शक्ति है इसकी न्याय प्रियता।
अशोक चिन्ह प्रतीक है सवा सौ करोड़ हिंदुस्तानियों के न्याय पर विश्वास का।
तू निर्दयी है, तू शायद यह बात ना समझ सके।
तू अब वार करके देख।
अगर तेरा एक भी वार इस न्याय स्तम्भ को पार कर गया, तो मैं समझूंगा कि मेरा विश्वास झूठा है।
मेरे पास इतना समय सच में नहीं है तिरंगा।
इसीलिए मुझे तुझ पर खड्ग किरण के बवंडर का वार करना पड़ेगा।
यह तुझे तब तक घेरे रहेगा जब तक मैं यहां से इस गार्ड के साथ चली नहीं जाती। और, हां। यह तुझे असहनीय पीड़ा भी पहुंचाएगा।
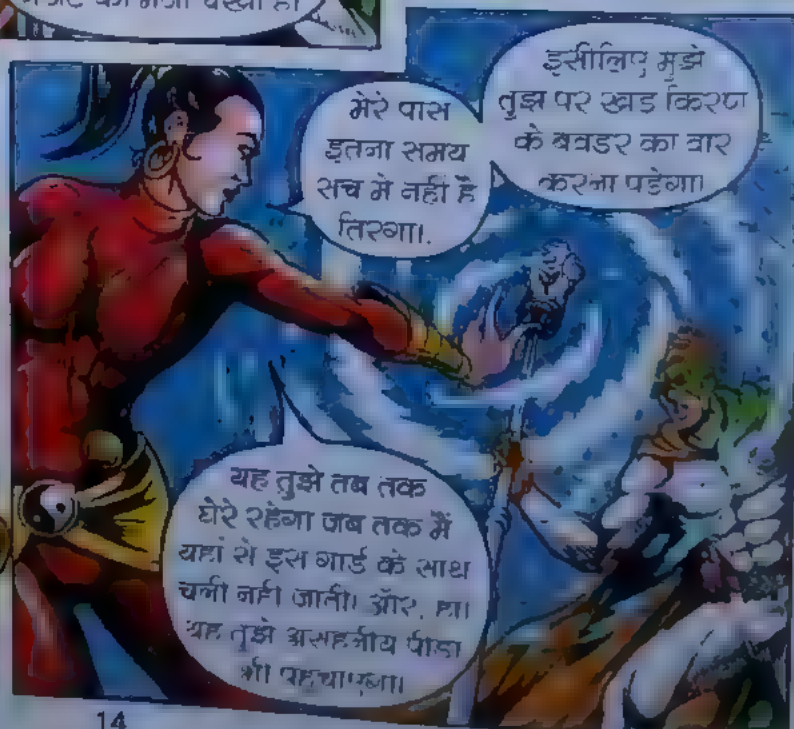
सॉरी! उम्मीद है हम फिर नहीं मिलेंगे।
HISSH!
यह... यह क्या हो रहा है?
क्या अशोक चिन्ह सच में
मात्र एक प्रतीक है?
क्या भारतीयों का विश्वास मात्र एक छलावा है?
HISSH...
ओह! मेरे पास वक्त कम
वक्त कम है तो बढ़ा देते हैं। पाँच सात साल चलेंगे।
"क्या अशोक चिन्ह समय के साथ अपनी न्याय शक्ति को खो चुका है।"
चल, अभी तुझसे बहुत पूछ-ताछ करनी है।
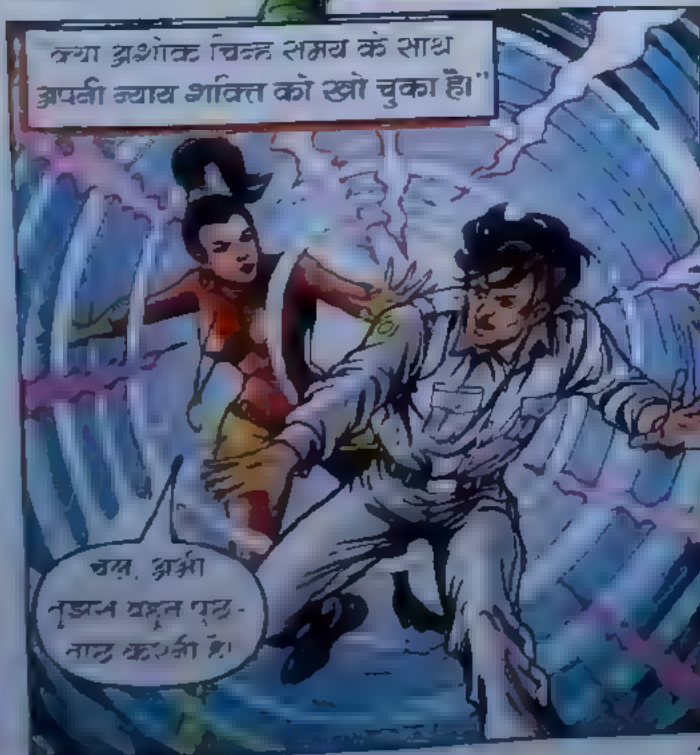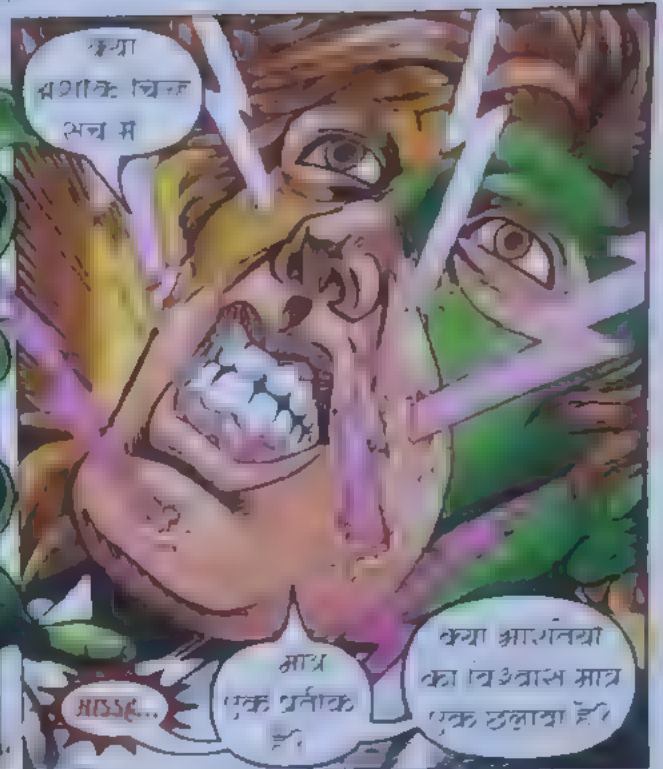
असम्भव! मेरी किरणों का वार मुझ पर?
यह न्याय स्तंभ की न्याय शक्ति है।

यह विश्वास की ऊर्जा से चलती है। सत्य और धर्म का निर्णय करने वाले इस दंड ने पहले तुम्हारी किरणों को सोखकर मेरी रक्षा की।
और अब उन्हीं किरणों के द्वारा तुमको दंड दे रहा है।

अद्भुत है यह भारतीय विश्वास तत्र। ऐसा तत्र मैंने तो ना कभी सुना
और ना ही देखा। मेरा वार मुझ को रोक रहा है।
वैसे भी, मेरा काम हो चुका है। गार्ड को मैं पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचा कर इन सबको सुरक्षित कर चुकी हूं।
अब यहां पर रुकने का कोई अर्थ नहीं है।

तू गार्ड को छोड़ देती तो शायद मैं एक बार तुझे यहां से जाने देता।
पर कसम कानून की, अब तो तेरा यहां से जा पाना असम्भव है।
अब मुझे रोक पाना असंभव है तिरंगा।
पर हां, जाने से पहले एक बात बता दूं

पर तू चाहे तो मुझे फूंक मार कर उड़ा सकता है तिरंगा।
हाहाहा! मार फूंक मार!

पर रुका
नहीं है और रही कुछ
करने की बात

सिपाहियों
को बचाकर
रास्ता साफ
करना
होगा।

कैसे
पकड़? हुह!

हाथों को तो
तुमने ही जकड़
लिया है।

...और
तब वापस
लेने लायक न
तो शक्ति है
मेरे पास.

अबे! अबे कहां घुसा आ रहा है।
बाऊ जी! ज़रा सा चेक करना है। दो मिनट लगेंगे।

दो मिनट ही लगने थे

आए! अबे क्या कर रहा है?

टाईम कवर करा रहा है या टाईम ओवर!

और बैरीकेड लगा होने के कारण किसी को नजर भी नहीं आएगा कि इस तरफ क्या हो रहा है।
ग्रेट प्लान

अब तुम मेरी मंजिल तक
क... कौन हो तुम?
जिसके लिए आज से तुम

अब समय
तेरी परछाई की
मौत का है।
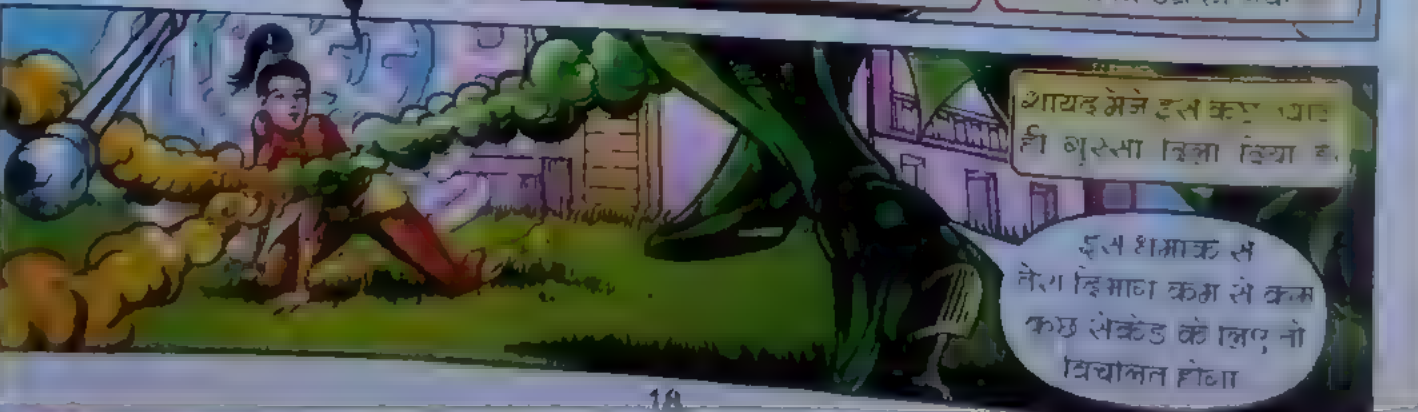
क्योंकि मैं भी गुप्त रूप में उसी शिप में थी।
जो चीज मैं ले जा रही थी वह बेशकीमती सेटेलाइटों के उन पुर्जों से कहीं ज्यादा कीमती थी जो शिप से भारत लाए जा रहे थे।
मैं उसे लेकर हिंदुस्तान आ रही थी? एक खास शख्स के पास।
मैं इतनी सिक्योरिटी का खर्चा वहन नहीं कर सकती थी।
और शायद यही मेरी गलती थी।

अंधकार!
मैं कुछ
देख नहीं पा रहा हूं।
इस बार संसार का
भविष्य अंधकार में
डूबा हुआ है।

केवल इतना ही
देख पाया हूं।
कि अंधकार का

सकता है।
नहीं,
समय से पहुच जाएगी। ट्रेन पर"...

यह तो साफ-साफ
हम पर हमला
लगता है।

किसकी मौत आई है जो आर्मी से टक्कर लेने की जुर्रत कर रहा है।

तुम्हारी मौत! हथियार डाल दो और हमें अपना काम करने दो!
हम भारतीय सैनिक हैं मौत से खेलना ही हमारा काम है। चलो तुम से भी खेल लेते हैं
IWXT
2JUM
यह क्या?
खेलने खिलाने का वक्त नहीं है हमारे पास!

पर हमारे सैनिकों को मदद की जरूरत पड़ सकती है सर
और अगर हमने उनकी मदद नहीं की

...तो कितना
खुशी... उम्मम!
सा पाजी
की आर एक
काजी की
आर दूसर
का आप
सम्भाला
उडा... ई...
ए SSSSS

हम परछाई हैं
पर हम तुम्हें चूर-चूर कर सकते हैं
कमबख्त

ओफ्फ! परछाई तो परछाई में जाकर ही मिट सकती है।
परछाई मिटानी ही होगी।
धड़ाम
डोगा को सूरज बनना ही होगा।

ओह!!
.. पर डीजल की पर्त जल चुकी है। अब पानी तुम्हारी आग को बुझा देगा।

फिर चाबी कौन ले गया?

मैं भी आगे जाऊंगी और मेरे साथ तू भी आगे जाएगी!

पर शुक्र है कुछ
समय पाने से पहले ही
वे हमारे हो
सामने कोई नहीं टिक
पाएगा

पर इससे यह बात अभी
जब तक जहाज वहां
ही डार्क रिफ्यूजर्स लेकर
वह गायब हो गई।

मैं जाऊंगा सतह पर...

लेडीज एंड जेंटलमेन। हम पंद्रह मिनट में राजनगर एअरपोर्ट पर लैंड करेंगे। कृपया

कहीं उन लोगों ने जो कहा था वह सच तो नहीं हो गया होगा?
डाक्टर योको। हमारा काम हुआ?

रोको!!

हिंदुस्तान से कल सुबह पांच सेटेलाइट्स छोड़ी जा रही हैं।
अगर वे छूटी तो उस प्रोजेक्ट के चीफ डायरेक्टर की जान भी छूट जाएगी।

गुड। यह लाइव टेलीकास्ट है। मैं शायद
कर इनकी लोकेशन को जान सकूं।
बीप
बीप
बीप

"फैल जाओ"

सही याद दिलाया!
समय बर्बाद कर रही हूं मैं!

आह!!!
मैं अंधमान की शक्तियों से नहीं लड़ सकती...
...और वह भी बिल्कुल सीधे रास्ते से!
रुक जा यामिनी! अब तू मेरी नजरों से दूर सिर्फ एक ही सूरत में जा सकती है।

आह!!!

अरे! कौन है रे तू?

निर्बल पर वार को अत्याचार कहते हैं
और अत्याचारी को निर्बल बनाने वाले को नागराज कहते हैं।

नागराज,
बचो! यह वार तुम्हें
परछाई में बदलकर
ही दम लेगा!
पर जल्दी ही
इस काली ऊर्जा धारी
से निपटने का स्थाई
रास्ता ढूंढना होगा।
वर्ना

यह वार तन तक
पहुंचा रहा हो।
हां। अब
मुझे अपने बचाव
पर ध्यान देने की
जरूरत नहीं है।
मेरे शरीर
के नाग इस छाया
प्रभाव को तेजी से
फैलने नहीं देंगे।
और उस
दौरान मैं इस छाया
प्रभाव को काबू में

ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।
हम्म! सिग्नल इस स्टोर रूम से
यहां पर तो एक ही है।
ऐ! हैलो!

अब स्क्रीन

सर! क्या यह सच में ऐसा करेगा, सर?

है कि आज

यहां मेरे पूरे गैंग के साथ ही मेरे आका वेस्त
गये हैं और तेरे आका भी इस्लाम.

ना फिर
कुर्बानी की प्रक्रिया का

थु... थु..थु
कि ध्रुव को श्वेता का मैसेज मिल

शुरु किया जाए
अब वाला

हमला
अगर हवा में बिखर कर नाक मे चला जाए

ब्लैम ब्लैम
पर ध्रुव के तो पैर भी लंबे हैं।
बस रुक जा ध्रुव! तूने पूरा प्लान तो अच्छा बनाया
पर तू एक चूक कर गया! अपने साथ-साथ बेचारे वैज्ञानिक के असिस्टेंट को पकड़वा दिया।

चलो भाईया खेल खत्म।
ऐसा हजमा और साथ मे तुम भी। अब उस सैकंड के अंदर एक ऐसा धमाका होगा
और यह बात मेरे दोस्तों को पसंद नहीं आएगी।
बांSS!

कुछ भी
मुश्किल नहीं
है ध्रुव
बल्कि तुमने
अब तक जो किया
है वह तो मुसीबत
का हिस्सा तक
नहीं है।
तुमने
एक्सप्लोसिव बेल्ट
को हवा में ही अपने शरीर
से अलग करके अकल
का सुबूत दिया है।

मदद चाहिए होगी।

हमको और टुकड़िया बुलानी होगी।
आग को आग नहीं पानी बुझाता है।
पर हीरे को सिर्फ हीरा ही काटता है। इसको आर्मी भी नहीं रोक सकती।
पर कोई और रोक सकता है।

यह कोशिश
भी करके देख लो।
तुम्हारी अगर दस
परछाईयां है तो मेरे पास
निपटने के लिए

पर इस अंधेरे मे भी मेरी शक्तिया काम कर

रही हैSSSS!
आह!!!

आह!!!

इससे निपटने के लिए भी अंधकार की शक्तियां चाहिए।
तुम नागों को अपने शरीर में स्थान दे सकते हो वही तुम मेरे साथ भी कर सकते हो।
ऐसे मेरी अंधकार की क्षमता तुम्हारी शक्तियों के साथ जुड़ जाएगी।

तुमने गलत समझा था नागराज। पर मैं अपने रक्षक की ऐसी दुर्दशा नहीं देख सकती।
अगर तुम पर कोई आंच आई तो मैं अपने आप को कभी माफ नहीं कर पाऊंगी।
मुझे इजाजत दो, स्वामी।

"...न तेरी आंखों के आगे अंधकार!"
आह!!
अच्छा संघर्ष है। देखते हैं कि पहले तुम पर बेहोशी आती है...

और उसकी बची खुची
चेतना को नागराज के उस

सच्चाई पर कान नहीं सिर्फ आंखें यकीन कर सकती हैं। तुम्हें खुद देखकर ही फैसला लेना होगा।
वैसे भी हमको

भी नहीं रह सकता क्योंकि
यहां की वायु में नाम मात्र
की ऑक्सीजन है।
यह दुनिया
बनाई हुई
इंसानों की।

जमीन तक

ऊपर से
कैसे? अरे हां!

...डीजल पर
चलता है।

और इसके चारों तरफ घूमते ये गोले क्या हैं? ओ गॉड!
कोयल की तरह!! असंभव! यह डोगा नहीं हो सकता!!
पहचाना! अब तू

अगर एक सैकेंड और लेट होते तो यमदूत मुझे लेकर निकल चुका होता।
अब तुम इससे जैसे चाहे निपटो, मैं बेचारे पीटर को देखकर आती हूं।

बाइक के घूमते पहिए में लबादा फसा .

से इनको हटा नहीं पा रहा हूं तो भला तिरंगा के अंदर से काली छाया को कैसे दूर कर पाऊंगा?
जैसे-जैसे इन काले लच्छों की पकड़ कमजोर हो रही है।
इसे इस काली कैद से आजाद करने का रास्ता अब मुझे समझ में आ गया।

ध्रुव ज्यादा देर तक डोगा को उलझा नहीं पाएगा।

अब यह मक्खी कहां से आ गई?

पर यह उड़ती क्यों नहीं?

मेरे तंत्र को सफल होना ही पड़ेगा पर... पर यह क्या?

यह बाद में सोचना! पहले इन छायाओं से बचो!

जवाब भी नहीं दे रहे हैं। ये ये क्या?
स्नेकशील्ड! अब मैं इतनी इंटेलिजेंट तो हूं ही कि समझ लूं कि अब

सामान्य?
पर मुझे हुआ क्या था?
मेरी फुफकार के असर को एक पल के लिए सह गया।

चाहे इसके लिए मुझे वर्ल्ड स्केटिंग स्पीड का रिकॉर्ड ही क्यों ना तोड़ना पड़े।
बस उससे पहले डोगा मुझे ना तोड़
अरे, साप यार्जी

नागराज पूरी कहानी सुनाता चला गया -
क्योंकि अथमान

नागराज
का तो कतई
औरों के लिए
ये गोली होगी, पर तेरे
लिए दवाई की गोली
है, नागराज।
क्योंकि ये

अब यह उल्टे दिमाग से सोचेगा।
ग्रेट थैंक्स, चंडिका। कमाल का गैजेट है।
धमक!

अब रास्ता साफ है। और मेरे पास कुछ ही सेकंड का समय है।
या शायद नहीं है
नागराज से जीतना मुश्किल है।
पर हारना आसान है। ओह!

मुझे उसे अपनी बेल्ट के कंट्रोल से फिर से एक्टीवेट करना पड़ा।
तुम मेरा प्लान भी समझ गई और उस सांप की तरफ किया हुआ मेरा ईशारा भी।
अब मेरे पास बीस सेकंड का वक्त बचा है।

सिर्फ इस

नहीं थका वैसे

यह जरूर किसी आने वाली बड़ी आपदा का संकेत है।

और अब उनका असर पानी पर भी फल रहा था
इस कयामत को पूरी दुनिया को अपने अंदर समटने में ज्यादा वक्त नहीं लगा था।

ओर . ओSSS। स्थिति भयावह है। अंधेरे से निगेटिव्स पैदा हो रहे हैं। और इंसानों को कब्जे मे ले रहे हैं।
हमको तुरन्त इस गुडागर्दी को जड़ से उखाड़ना होगा।

यामिनी!
तो सुन लो। यह तो स्पष्ट है
क्यों कर रहे हो?
अफरातफरी मच गई।
गोलों के अंदर
प्रकाश को सोखने की
शक्ति थी। और ये प्रकाश
उसने उन गोलों
को अपनी निगरानी

मुझे सुरक्षा की जरूरत थी। और थोड़ी सी और जांच पड़ताल के बाद मुझे परफेक्ट बीमा पॉलिसी मिल गई।
...मेरा 'अगला' प्लान सफल हुआ। नागराज ने अंधनाग को हराकर पासा पलट दिया।
कोशिश की पर डोगा बीच में आ टपका।

और जब सभी निगेटिव्स बन जाएंगे तो हमें तमक्षेत्र में छिप कर नहीं रहना पड़ेगा।
अब या तो मानव स्वेच्छा से समर्पण करेंगे या फिर निगेटिव्स बना दिए जाएंगे।

सब फिर शुरू हो गए। और कहते हैं कि लड़कियां ज्यादा बोलती हैं।
सुनो! हमें नीन फ्रंट पर लड़ना है।

तुम्हारा विवाह प्रस्ताव
का तरीका पसंद आया
नागराज
बनने की
तैयार हो जाओ
नागराज!

कालसर्पम!

ध्रुव!

पर उसके लिए मुझे इस अंधकूप में उतरना पड़ेगा। पर अवरोध बहुत है।
बार बार निगेटिव्स बीच में आ जा रहे हैं।
निशाना साधो
मैं तुम्हारा रास्ता साफ करता हूं।
तिरंगा और डोगा ने योजना तो बना ली

सूक्ष्मसर्पो! तुम्हें ... इस विष को
चलकर बाहर फेंकना होगा। ... आ...ह!!

नागराज!
डू यू कॉपी!

आह! ब्रह्मांड रक्षक वेवलेश
पर ध्रुव का मैसेज!!

कॉपी
ध्रुव! क्या

कुछ भी कर लो,
सिर्फ
उसकी आवश्यकता नहीं है।

पर एक चीज मैंने जरूर
नोटिस की थी

तेज रोशनी
से। उम्मीद है कि
इमरजेंसी जेनरेटर
काम कर रहा
होगा।
कर रहा
है।

रह सकते। इनको यह
सर्किट खुला रखना
होता होगा।
अगर ये सर्किट
क्लोज् हो गया तो शायद
इनके द्वारा रोकी गई सौर
ऊर्जा इनको ही नुकसान
पहुंचा सकती है।
तुम्हें इस सर्किट को
पूरा करना होगा, मतलब
कि पांचों सेटेलाइटस को
सिस्टम मौजूद है। वे
गोले अपनी तरफ आने
वाली किसी भी चीज को
और उनको नष्ट भी
आऽऽऽऽह!
तुमने यह बात
बताने में देर कर
दी ध्रुव।

तुम बस ऊपर आ जाओ।

नहीं टूटेगा।
सिर्फ दांत नहीं मुंह टूटेगा।

यह सिलंडर इस गड्ढे का रास्ता और साफ कर देगा। ट्रक और नीचे यानी तलक्षेत्र की तरफ धसेगा।

नागराज का अपने मस्तिष्क पर से नियंत्रण हटने में एक पल से ज्यादा का वक्त नहीं बचा था।

इनसे निपटना हमारा काम है नागराज!
तुम अपना काम करो।

माफी मांगने का।
हां! धमाके की तेज रोशनी ने मेरे बंधनों को भी इतना कमजोर कर दिया कि मैं उनको तोड़ सकूं!

यहा रुकना अब बकार है।

हम्म। एक आइडिया है तो।
टाड़ामग.
सही हो जाए।

यह कमजोर पड़ रहा है, चाइका। सूर्य की किरणें इसे कमजोर बना रही हैं।
यह यह क्या?
मुझे कुछ समझ में आ रहा है।
कैप्टेन!
कैप्टेन! डोगा और नताशा टूटी जमीन के रास्ते तलक्षेत्र में चले गए हैं! मैंने इंतजार भी किया, पर...
धत! वह भाग रही है।
अच्छा किया
तुम आ गए हो
समझना मुश्किल था कि मामला सुलझ
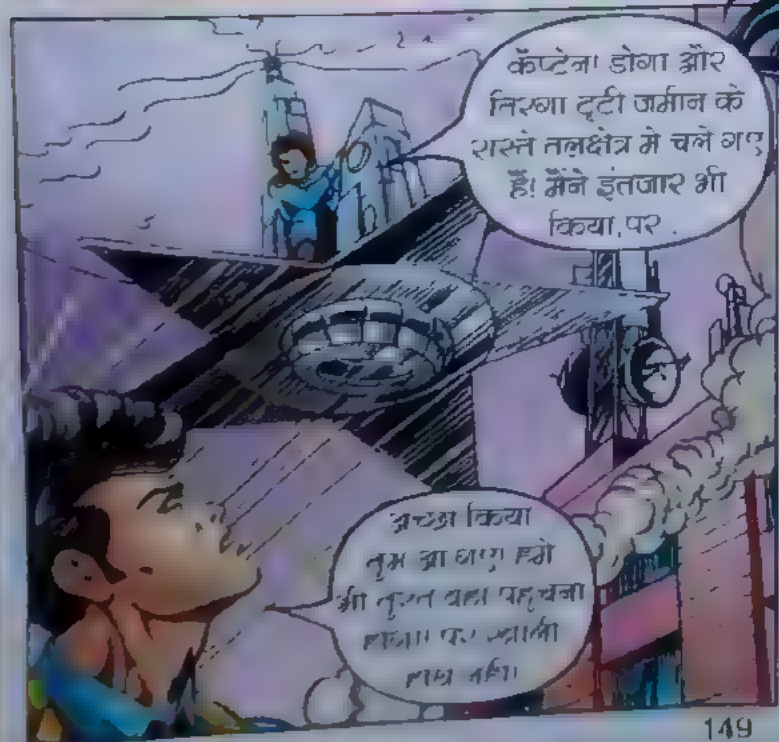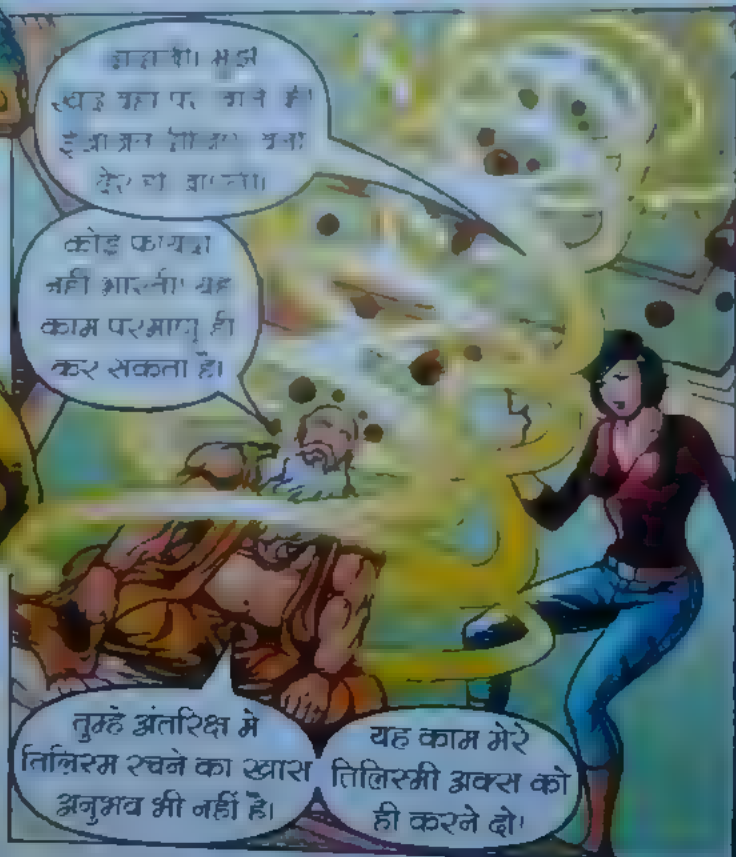
होश में आओ परमाणु।
कोई फायदा नहीं भारती। यह काम परमाणु ही कर सकता है।
तुम्हे अंतरिक्ष में तिलिस्म रचने का खास अनुभव भी नहीं है।
यह काम मेरे तिलिस्मी अक्स को ही करने दो।
मैं पूरे घटनाक्रम पर शुरू से ही नजर रखे हुए था।
आखिरकार यहां की स्थिति में मुझे दखल देना ही पड़ा।
यह ब्लैक एनर्जी सूर्य की तरह परमाणु के शरीर से भी प्रकाश कणों को सोख रही है।
इसे प्रकाश कणों की आवश्यकता है।
समझ गया! पर यह ऊर्जा बहुत प्रबल है।
मेरे तिलिस्मी वार को इस तक पहुंचने से पहले ही विफल कर दे रही है।
और अब परमाणु वापस पृथ्वी की तरफ आ रहा है। आऽऽह।
बाबाजी।
बस! बहुत हो गया। मैं पहले ही कह रही थी।
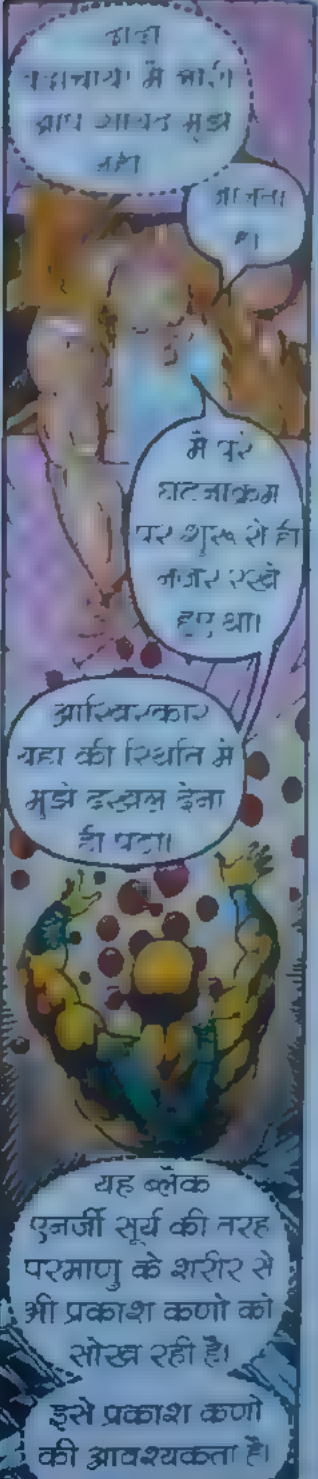
मुझे पता था कि दादा जी का वृद्ध शरीर इतना तिलिस्मी
पर अब मेरा तिलिस्मी वार
यह ऊर्जा नहीं झेल पाएगी।
मैं इसे तिलिस्मी वार से अपने शरीर में खींच लूंगा
और परमाणु को आजाद करूंगा।
जो भी है, इसी ने अपनी जान दांव पर लगाकर मुझे बचाया है। मैं
परमाणु मैं सोरी! अब मैं तुमसे भी संपर्क बना पा रही हूं।
अभी तुम्हारे सामने ये दो उपग्रह ही आपस में जुड़े नहीं हैं। अगर इनको जोड़ दिया जाए तो...
...तो शॉर्ट सर्किट हो जाएगा।
पर यह होगा कैसे?
इन उपग्रहों को हाई फ्रीक्वेंसी फोटोन रेज से ही जोड़ सकता हूं।
पर इन रेज का दूसरा छोर तो हमेशा मुझसे ही जुड़ा रहेगा। फिर ये आपस में कैसे जुड़ेंगी?
कुछ ही सेकेंड में सेटेलाईट का कोम्बीनेशन बदल जाएगा परमाणु! फिर ये मौका हमें नहीं मिलेगा।
फिर तो एक ही रास्ता बचा है जिससे ये सेटेलाइट्स शॉर्ट सर्किट हो सकें
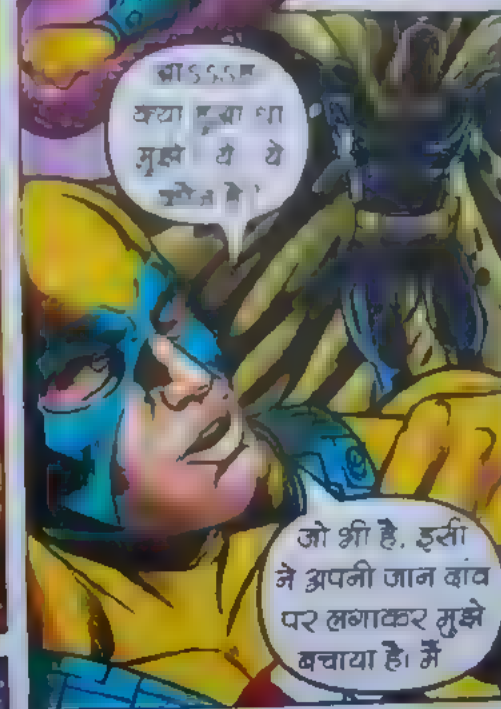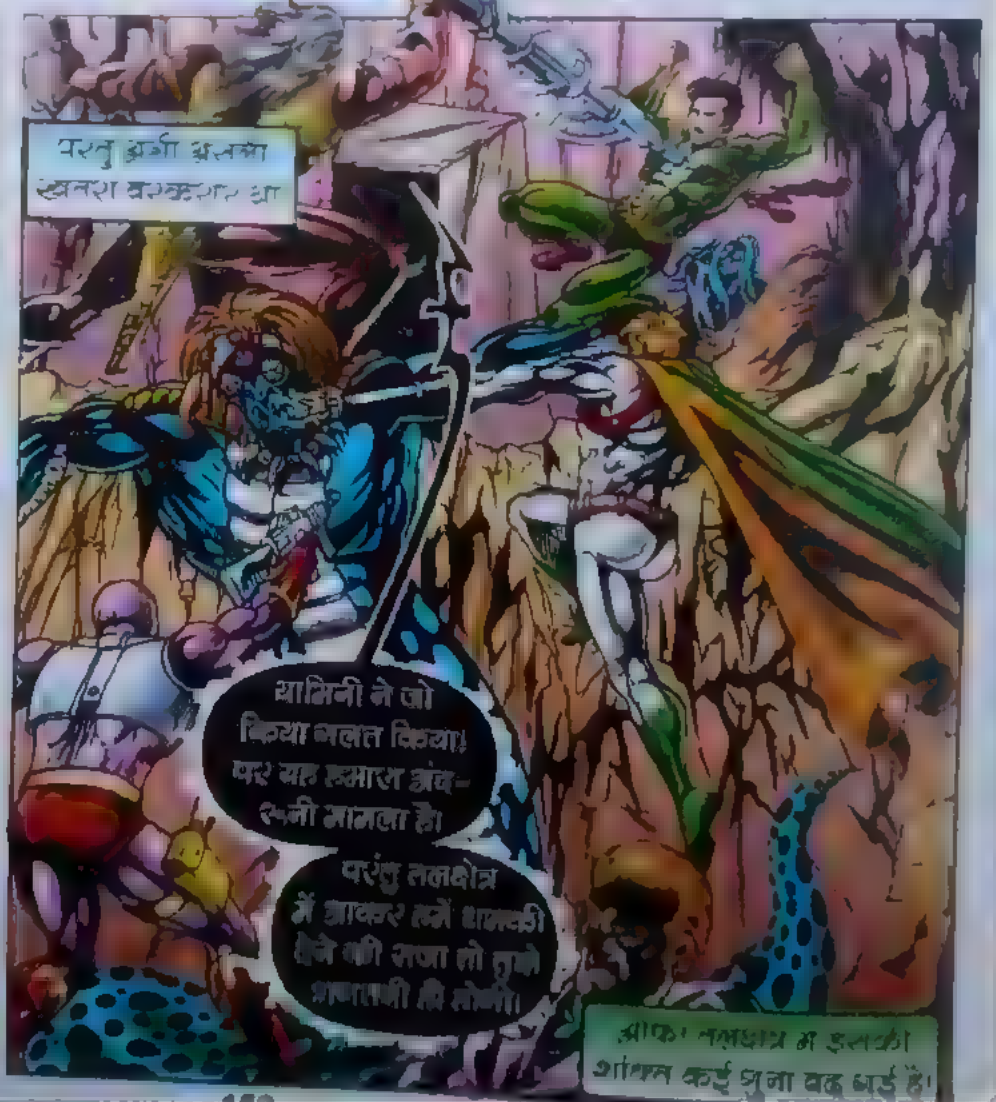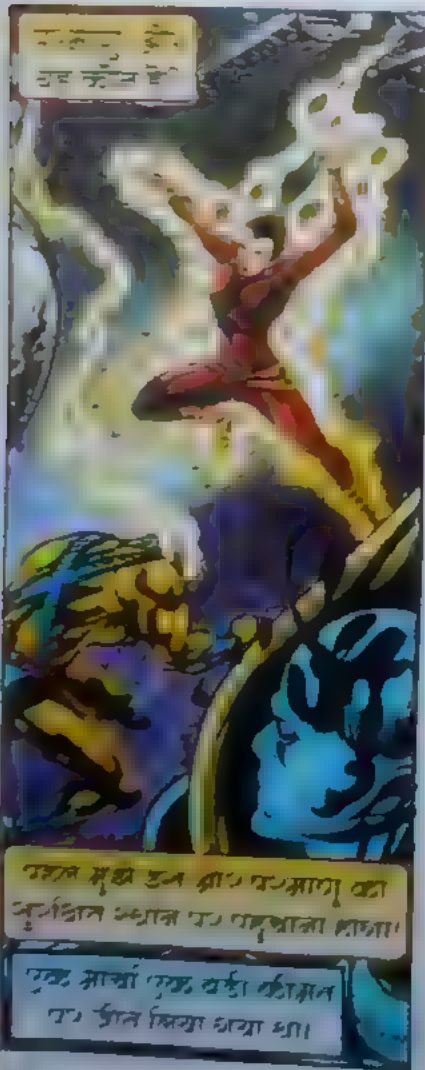
परन्तु अभी असली खतरा बरकरार था
यामिनी ने जो किया गलत किया। पर यह हमारा अंद-रूनी मामला है।

अब मुझे वह भीषण वार करने पर विवश होना पड़ रहा है...

...जो शायद इस तलक्षेत्र को ही समाप्त कर दे!

अब यह संग्राम आर-पार के युद्ध में बदल रहा था!
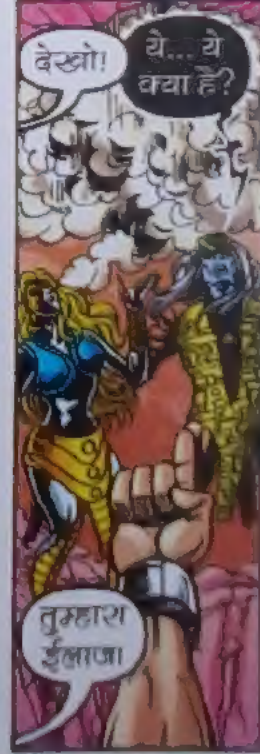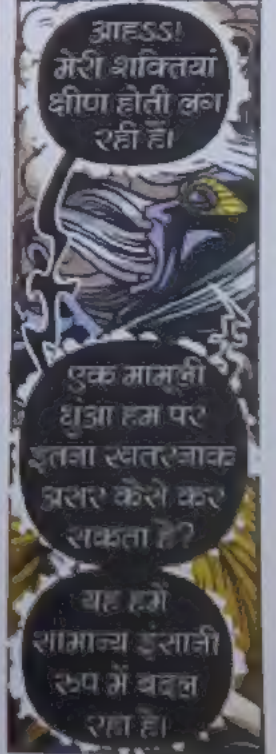
वह क्या चमत्कार है ध्रुव?

ये चमत्कार तो तिरंगा का है, नागराज!

मेरा? मैंने क्या किया?

जब चंडिका ने पहले मुझे उसकी और तिरंगा की मुठभेड़ के बारे में बताया, तो मैंने ध्यान नहीं दिया था...

...कि तिरंगा में निगेटिव्स से सामान्य बनने की प्रक्रिया उस एंटीबायटिक पाउडर से भरे कार्टन्स पर गिरने के बाद ही शुरू हुई थी जिसे सेटेलाईट को जीवाणु रहित करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है।
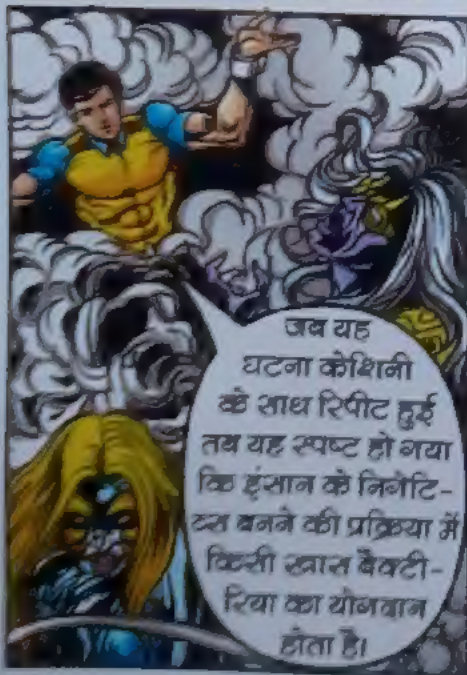
जब यह घटना कोशिनी के साथ रिपीट हुई तब यह स्पष्ट हो गया कि इंसान के निगेटिव्स बनने की प्रक्रिया में किसी खास बैक्टीरिया का योगदान होता है।
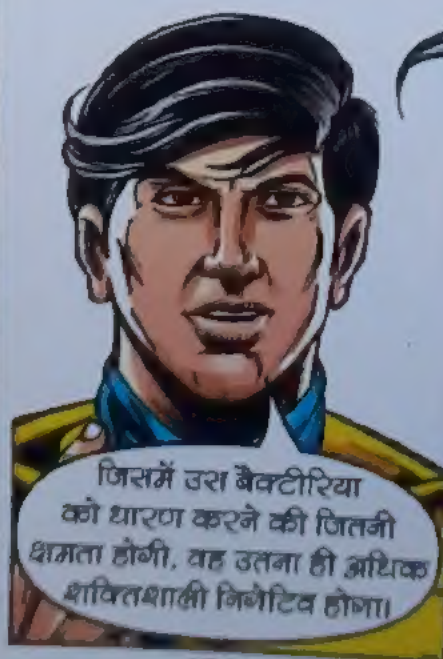
जिसमें उस बैक्टीरिया को धारण करने की जितनी क्षमता होगी, वह उतना ही अधिक शक्तिशाली निगेटिव होगा।
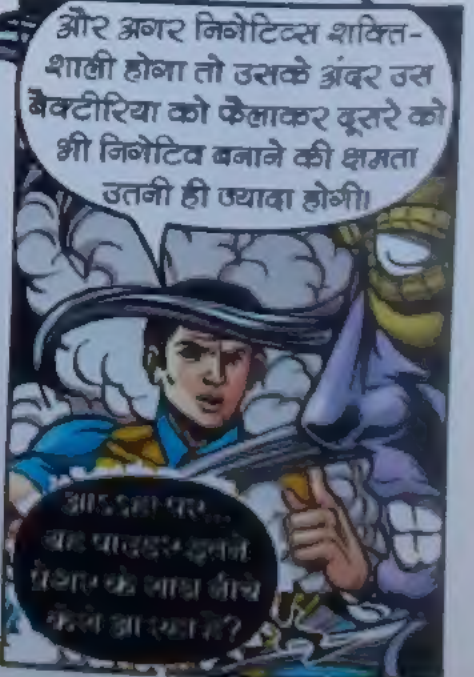
"स्टार कॉप्टर की मदद से।"

"वाह, ध्रुव! एक ही झटके में तलक्षेत्र का खतरा साफ कर दिया तुमने।"

"पर अभी सेटेलाइट्स में मौजूद उन गोलों का खतरा बरकरार है, नागराज!"

और ये गोले बैक्टीरिया की मदद नहीं लेते।

वह खतरा भी दूर हो चुका है।
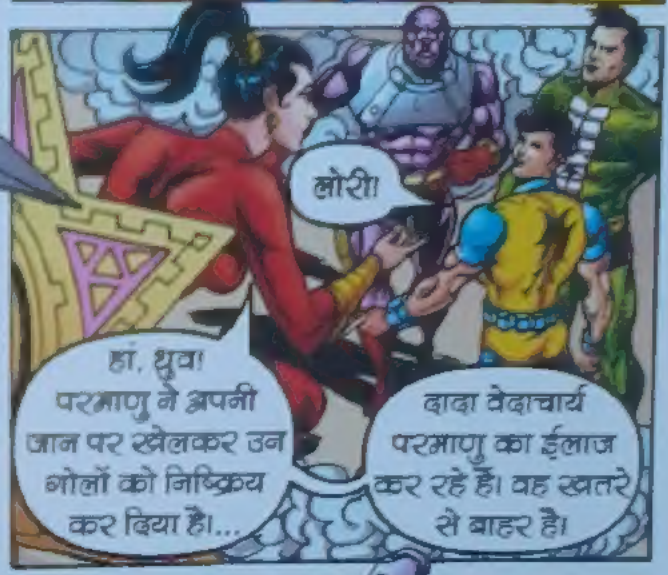
सॉरी!

हां, ध्रुव! परमाणु ने अपनी जान पर खेलकर उन गोलों को निष्क्रिय कर दिया है...
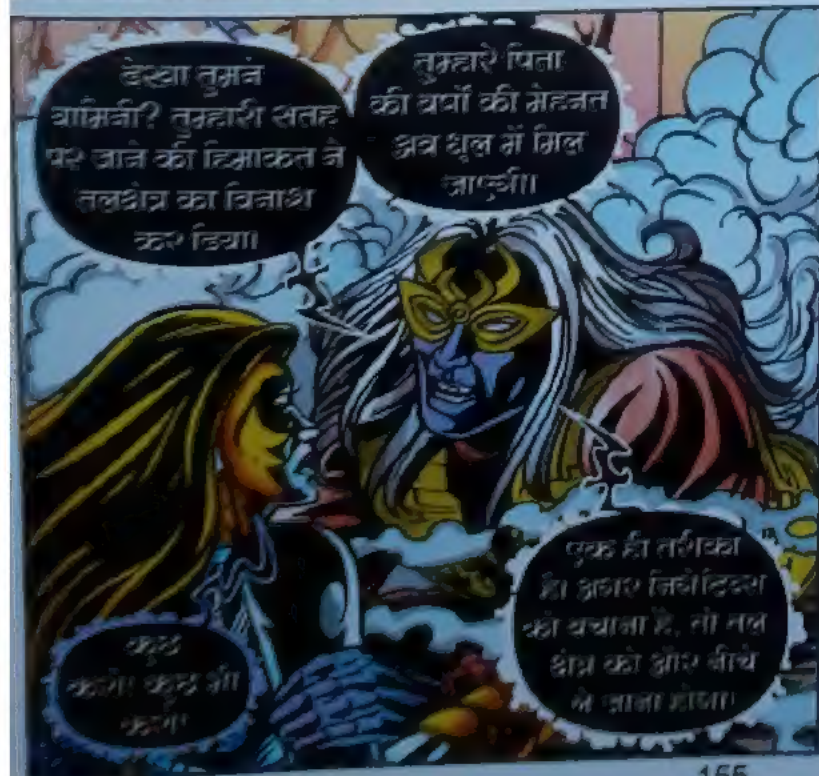
दादा वेदाचार्य परमाणु का ईलाज कर रहे हैं। वह खतरे से बाहर है।

ओह! अंधमान ने आत्महत्या की ठान ली है।
हमें यहां से तुरंत निकलना होगा! ये पूरा क्षेत्र खंड-खंड हो रहा है।
ओह! हम सही समय पर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लाए!
उम्मीद है कि अब निगेटिव्स का आतंक हमेशा के लिए समाप्त हो गया है।
अंधमान आत्महत्या करने वालों में से नहीं है, मुझे लगता है कि फिलहाल वह जिंदा है और ताकत बटोरने के लिए समय चाहता है।
खतरा बस कुछ समय के लिए टला है। पर अब हम बीमारी को भी जानते हैं और इसके ईलाज को भी!
लेकिन अगली बार निगेटिव्स आए, तो वे जरूर नई रणनीति और नई शक्तियों के साथ आएंगे! तब पता नहीं हम उनको रोक भी पाएंगे या नहीं!
समाप्त